

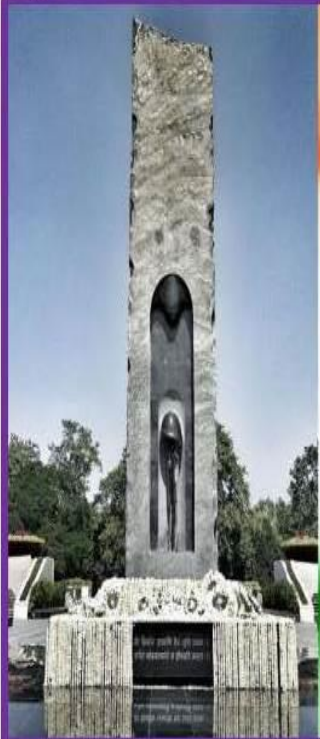
के, रि, पु, बल ई-संवाद

सेवा एवं निष्ठा



सीआरपीएफ के जांबाज

31 दिसंबर 2018 को सिंजानी, खुंटी, झारखंड में एक माओवादी रोधी ऑपरेशन में 157 बटा सीआरपीएफ के सहायक कमां. गुलाम जिलानी खान ने अपने प्राणों का बलिदान दिया। अपनी टुकड़ी का नेतृत्व करते हुए इस युवा अधिकारी ने अपने साथियों की जान बचायी और राष्ट्र सेवा में सर्वोच्च बलिदान दिया।



Sh. Ghulam Jeelani Khan,
Assistant Commandant-157 BN
07/04/1989 TO 31/12/2018
(JAMMU AND KASHMIR)



श्री गुलाम जिलानी खान, सहा. कमांडेंट के नेतृत्व में 157 बटा सीआरपीएफ की टुकड़ियों ने 31 दिसंबर 2018 को झारखंड के खुंटी जिला के थाना अस्की के अंतर्गत सिंजानी के जंगल क्षेत्र में एरिया डोमिनेशन एवं तलाशी अभियान चलाया। ऑपरेशन के दौरान श्री गुलाम जिलानी खान, सहा. कमांडेंट (29 वर्ष, अविवाहित, निवासी-बारामूला, जे एंड के) को करंट लगा। उन्हें पीएचसी अस्की में इलाज के लिए ले जाया गया। प्रथम उपचार के बाद उन्हें सदर अस्पताल खुंटी में बेहतर इलाज के लिए भेजा गया जहां पहुंचने पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

समाजिक पहुंच

218 बटा सीआरपीएफ ने अपने सिविक एक्शन कार्यक्रम के तहत झारखंड के कुरुमगढ़, गुमला के निकट पिछड़े हुए सकरा गांव में आवश्यकता की वस्तुओं का वितरण किया।



112 बटा सीआरपीएफ ने सिविक एक्शन कार्यक्रम "अंधेरे से रजाले की ओर" का आयोजन किया और झारखंड के गांव तोंगारी में जरूरतमंद ग्रामीणों के बीच सोलर लाइट्स और स्कूली बच्चों के बीच स्टेशनरी का वितरण किया।



190 बटा सीआरपीएफ द्वारा अपने सिविक एक्शन कार्यक्रम के तहत झारखंड के ब्लॉक कुंडा और हंटरगंज के गांव हथवरिया के जनता हाई स्कूल में चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया और जरूरतमंद लोगों को नि:शुल्क इलाज उपलब्ध करवाया और दवाओं का वितरण किया गया।

